Candidate Marks Report

Series : Mar-Apr 2017

This candidate's script has been assessed using On-Screen Marking. The marks are therefore not shown on the script itself, but are summarised in the table below.

Centre No :	RPSC	Assessment Code :	Paper - III_Hin Med_3
Candidate No :	309508	Component Code :	01
Candidate Name :	NONAME		

Total Marks :	**68.5 / 200**

In the table below 'Total Mark' records the mark scored by this candidate.
'Max Mark' records the Maximum Mark available for the question.

Paper: 9005A

Paper Total: 68.5 / 200

Question	Total Mark / Max Mark
1	0 / 2
2	0 / 2
3	1 / 2
4	0.5 / 2
5	1 / 2
6	1 / 5
7	4.5 / 5
8	2.5 / 5
9	1 / 5
10	2 / 5
11	2 / 10
12	3 / 10
13	2 / 10
14	0.5 / 10
1	0.5 / 2
2	0.5 / 2
3	1.5 / 2
4	1 / 2
5	1 / 2
6	0.5 / 5
7	1 / 5
8	2 / 5
9	2 / 5
10	3 / 5
11	5 / 10
12	5 / 10
13	4.5 / 10
1	0.5 / 2
2	1.5 / 2
3	0 / 2
4	0 / 2
5	0.5 / 2

6	2.5 / 5
7	2.5 / 5
1	1 / 2
2	0 / 2
3	0 / 2
4	1 / 2
5	2 / 2
6	0 / 5
7	1 / 5
1	0 / 2
2	1 / 2
3	0 / 2
4	0.5 / 2
5	0 / 2
6	4 / 5
7	2 / 5

49001

PART - I

Paper Code

P-3

309508

IMPORTANT NOTES
महत्त्वपूर्ण निर्देश

(A) Please fill up the OMR Sheet of this Question-Answer Booklet properly before answering.
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व उसके संलग्न ओ.एम.आर. पत्रक को भली प्रकार से भर लें ।

(B) The question paper is divided into different unit and parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and parts.
प्रश्न-पत्र विभिन्न यूनिट एवं भागों में विभाजित है । प्रत्येक यूनिट एवं भाग में से किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित किये गए हैं ।

(C) Attempt answers either in **Hindi or English**, not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर **अंग्रेजी या हिन्दी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं । भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो ।

(D) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words; failing this, marks will be deducted.
अभ्यर्थियों को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए । इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जायेंगे ।

(E) Please write answers only in the prescribed space of booklet. Do not write any mark of identity inside the Answer Script (including Paper for rough work) i.e. name, address, telephone number, Name of God etc. or any irrelevant words other than the answer of question. Such act will be treated as unfair means. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained, if Roll Number is not filled correctly on the O.M.R. Sheet.
किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें । प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ़ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी अपना नाम, रोल नंबर अथवा अन्य कोई पहचान चिह्न यथा -- प्रश्नोत्तर में नाम, पता, दूरभाष नंबर, देवताओं के नाम अथवा अन्य कोई भी प्रश्नोत्तर से असम्बंधित शब्द, वाक्य एवं अंक आदि न लिखें । ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा । ओ.एम.आर. पत्रक पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा उसके प्राप्तांकों में से 5 अंक भी काटे जा सकते हैं ।

(F) Candidates are directed that they should not write (answer) out side the border line in every page. Answer written out side the border line will not be checked by the Examiner.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रत्येक पृष्ठ में बनाई गई बार्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें । बार्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को परीक्षक द्वारा जाँचा नहीं जायेगा ।

(G) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English version of the question, the English version will be treated as standard.
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

(H) The Question-Answer Booklet is provided in a sealed envelope to the candidate. Candidate must sign the declaration as per directions printed on the envelope and return it to the invigilator.
अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में प्रदान की गई है । अभ्यर्थी लिफाफे पर अंकित निर्देशों को पढ़कर घोषणा पर हस्ताक्षर कर लें और उसे अभिजागर को वापस कर दें ।

(I) Candidate should fill up all desired details on this attached OMR sheet of Question-Answer Booklet with **blue** ball point pen. Please ensure that this OMR Sheet is not torn or damaged.
अभ्यर्थी प्रश्नोत्तर पुस्तिका के ऊपर संलग्न इस ओ.एम.आर. पत्रक पर सभी वांछित विवरण **नीले** बॉल पेन से सावधानीपूर्वक भरें । ध्यान रखें कि यह ओ.एम.आर. पत्रक कहीं से कटे-फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो ।

(J) This **OMR** Sheet consists of **Two** parts, in which some information is pre-printed; remaining details have to be filled by the candidate.
यह **ओ.एम.आर.** पत्रक **दो** भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं । शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है ।

(K) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly, bring it to notice of invigilator and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्रित है, तो अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा ले, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा ।

विशेष नोट :
अभ्यर्थी द्वारा यदि ओ.एम.आर. पत्रक पर गलत सूचना भरी जाती है या उसे किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा संपूर्ण परीक्षा हेतु अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा ।

Special Notes :
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage it or any marking as identification is done, then his candidature for the entire examination shall be rejected by the commission, for which he will be liable.

SPACE FOR ROUGH WORK

ROUGH

~~क्रांति की प्रक्रिया से~~
~~आए व्यवधान~~

~~प्रशासन व प्रबंधन में~~
~~निर्णयन प्रक्रिया कुछ~~
~~विशिष्ट लोगों द्वारा नियंत्रित~~
~~होती है →~~
~~मानव का पर्यावरण व अन्य~~
~~घटकों का सीमित ज्ञान~~
होने के कारण

PAPER – III GENERAL STUDIES & GENERAL KNOWLEDGE

Total 200 Marks
Total 48 Questions

Unit – I **(75 Marks)**
(यूनिट – I) **(75 अंक)**

Part – A **Marks : 10**
भाग – अ **अंक : 10**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. What is the constitutional status of 'Right to Property' in India ?

   भारत में 'सम्पत्ति के अधिकार' की संवैधानिक स्थिति क्या है ?

   भारत में संपत्ति के अधिकार को नीति-निर्देशक तत्वों की अनुपालना में (सामाजिक-आर्थिक समता) मौलिक अधिकार से हटाकर कानूनी अधिकार बना दिया गया है। (अनु. 300(क)) अब इसका प्रवर्तन सरकार पर निर्भर है, ये न्यायालय में वाद-योग्य नहीं रहा।

   0

2. What is the relevance of 'Yekaterinburg Summit' ?

   'येकातेरिनबर्ग शिखर सम्मेलन' की प्रासंगिकता क्या है ?

   ये सम्मेलन वैश्विक समसामयिक मुद्दों पर वैश्विक सहयोग, सहभागिता, संहिता निर्धारण की दृष्टि से विशेष महत्व रखता है।

   0

3. Enumerate the four grounds on which a member of Union Public Service Commission can be removed by the President of India.
उन चार आधारों का उल्लेख कीजिए जिन पर भारत का राष्ट्रपति लोक सेवा आयोग के किसी सदस्य को पदच्युत कर सकता है ।

1) भ्रष्टाचार एवं पद का दुरुपयोग 2) दिवालिया घोषित किए जाने 3) स्वास्थ्य संबंधी कारणों से (मानसिक अक्षमता के कारण पदभार वहन करने में असमर्थता) और 4) सक्षम न्यायालय द्वारा जाँच में पदच्युति की सिफारिश पर।

4. Explain the phenomenon of 'Politicisation of castes' in Rajasthan.
राजस्थान में 'जातियों के राजनीतिकरण' की परिघटना को समझाइये ।

वर्तमान परिदृश्य में धर्माधारित राजनीति के विशिष्ट स्वरूप 'जाति-आधारित राजनीति' में विभिन्न जातियों का उनके तथाकथित उत्थान, पिछड़ी जातियों द्वारा हाल ही में आरक्षण की माँग, उच्च जातियों द्वारा समता की माँग, जाति विशेष के राजनीति मंत्रिपरिषद् में अधिक प्रतिनिधित्व की माँगें देखी गई हैं।

5. Explain the relevance of G-20.
जी-20 की प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए ।

'G-20' विकसित एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का वैश्विक मंच है जो प्रारंभ में आर्थिक अंतर्निर्भरता के कारण आर्थिक सहयोगार्थ अस्तित्व में आया किंतु पेरिस हमले के बाद बैठक के आधार पर आर्थिक, पर्यावरण, आतंकवाद, शरणार्थी मामलों में भी इसकी प्रासंगिकता बढ़ी है।

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. Discuss the major functions of Niti Aayog.
नीति आयोग के प्रमुख कार्यों की विवेचना कीजिए ।

- नीति-आयोग एक गैर-संवैधानिक निकाय है जो नीति-निर्माण संबंधी सलाहकारी भूमिका का निर्वहन करता है।
- नीति-आयोग भारत में संघीय सहयोग, निम्न से उच्चस्तरी (Bottom to top) विकास के लिए कार्यरत है।
- इसके द्वारा 'इज ऑफ डूइंग बिजनेस' रिपोर्ट जारी कर राज्यों में औद्योगिक स्वस्थ वातावरण तैयार किया जाता है।
- नवाचार एवं स्वरोजगार प्रोत्साहन (सेतु योजना) द्वारा रोजगार-अवसरों में वृद्धि का कार्य।

1

7. What are the criteria for recognizing a political party as a National Political Party ?
किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्रदान करने हेतु क्या मापदण्ड हैं ?

मापदण्ड निम्न है -
- 4 राज्यों में राजनीतिक दल को 4 सीटें और 6% मत मिलें। (लोकसभा में)
- 3 राज्यों में लोकसभा की 2% सीटें प्राप्त हों।
- 4 राज्यों में दल राज्यस्तरीय दल के रूप में मान्यता रखे।
- राज्य के चुनावों में 8% मत प्राप्त हों।

½ 1 1 1 1

8. What are the challenges confronting the SAARC at present ?
वर्तमान में सार्क (SAARC) के समक्ष क्या चुनौतियाँ हैं ?

सार्क के समक्ष चुनौतियाँ –
1.) साफ्टा के व्यावहारिक क्रियान्वन से आगे बढ़कर सार्क को यूनियन के स्वरूप तक ले जाना।
2) भारत-पाक तनाव को संतुलित कर सामूहिक हित को प्रमुखता देने के लिए पाक पर दबाव बनाना।
3) क्षेत्र में शांतिव्यवस्था, आतंक उन्मूलन।
4) सदस्य देशों में व्याप्त गरीबी, अशिक्षा से मुक्ति।
5.) बड़ी आबादी व क्षेत्र होने के कारण वैश्विक स्तर पर बड़ी भूमिका। (भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायित्व)
6) सदस्य देशों को भारत के संदर्भ में बिग-ब्रदर सिंड्रोम से मुक्ति।

9. Discuss India's response to China's activities in the South China Sea.
दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया की विवेचना कीजिए।

दक्षिण चीन सागर में भारतीय प्रतिक्रिया –
- भारत संपूर्ण विवाद अंतर्राष्ट्रीय कानून व समझौते की पृष्ठभूमि व पालना में सुलझाते हुए चीन से अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के फैसले को स्वीकार करने की अपेक्षा रखता है।
- भारत विवाद के शांतिपूर्ण समाधान की पैरवी करते हुए चीन द्वारा 'दक्षिण चीन सागर' के नाम में चीन आने मात्र के तर्कविहीन चीनी आधार को खारिज करता है।
- भारत सामुद्रिक गलियारे के सामूहिक प्रयोग, निर्बाध आवागमन व संसाधनों के सामूहिक उपयोग की पैरवी करता है।

10. Point out the major recommendations of Punchi Commission.
पुंछि आयोग की प्रमुख सिफारिशों को इंगित कीजिए ।

- राज्यपाल के पद हेतु किसी क्षेत्र में विशिष्ट योग्यता रखने वाले व्यक्ति को ही नामित करें।
- राज्यपाल की नियुक्ति से पूर्व मुख्यमंत्री की सहमति की स्वस्थ परंपरा का निर्वहन हो।
- केंद्र सरकार बदलने पर केवल राजनीतिक विचार धारा में असमानता के आधार पर राज्यपाल को न हटाएँ।
- राज्यपाल के पद पर न्यायधीशों की नियुक्ति न हो।
- राज्यपाल को एक बार के बाद दूसरी बार दूसरे कार्यकाल हेतु नामित न किया जाए।

Part – C
भाग – स

Marks : 40
अंक : 40

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **100-100** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं ।

11. What are the major features of Paris Agreement (COP 21) of the United Nations' framework convention on climate change ?
जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के पेरिस समझौते (सी.ओ.पी. 21) की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ?

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के पेरिस समझौते के मुख्य पक्ष निम्न है -

- विकसित देशों व विकासशील देशों के बीच जलवायु परिवर्तन हेतु जिम्मेदारी के लिए

"साझा किंतु भिन्न-भिन्न" उत्तरदायित्व निभाने पर सहमति बनी है। इसके आधार पर भूतकाल में औद्योगिक गहनता के कारण जलवायु परिवर्तन पर विकसित देशों को अधिक उत्तरदायी ठहराया है।

- सभी देश एक निश्चित आईएनडीसी (इंटेंडेड नेशनली डिटरमाइंड कंट्रीब्यूशन) निभाने व इसकी परिसीमा तय करने के लिए सहमत हुए है।
- जलवायु परिवर्तन पर भारत समेत विकासशील देशों द्वारा पुरजोर मांग पर विकसित देश 'तकनीकी हस्तान्तरण' और 'जलवायु परिवर्तन कोष' बनाने पर सहमत हो गए है।
- समझौतों को क्रमिक रूप से लागू किया जाएगा।
- तटीय देशों की चिंताओं के मद्देनजर तापमान में वृद्धि पर नियंत्रण हेतु प्रयास।

समग्रत: ये सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के समाधान की दिशा में दूरगामी साबित होगा। भारतीय प्रधानमंत्री ने भी समझौते को 'जलवायु न्याय' की संज्ञा दी है, भारत ने अपने लक्ष्य पूर्ति हेतु 'सौर-गठबंधन' में नेतृत्वकारी भूमिका स्वीकार की है।

12. Discuss the significance of the landmark judgement of Supreme Court of 1997 regarding gender justice.

लैंगिक न्याय के संदर्भ में 1997 में उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए ।

लैंगिक न्याय के संदर्भ में विशाखा मामले में महिलाओं की शिकायतों पर न्यायालय द्वारा ऐतिहासिक निर्णय दिया गया जिसके आधार पर ही "कार्यस्थल पर महिलाओं के विरुद्ध यौन हिंसा निवारण अधिनियम 2013" अस्तित्व में आया। इसके मुख्य बिंदु निम्न है -

- नियोक्ता द्वारा कार्यस्थल पर महिला शिकायत निवारण हेतु "आंतरिक शिकायत निवारण समिति का गठन हो, जिला स्तर पर "स्थानीय परिवेदन समिति" का गठन, इन्हें सिविल न्यायालय की शक्तियाँ प्राप्त होंगी।

- समिति की आधी सदस्य महिलाएँ, अध्यक्ष महिला हो।

- जिलाधिकारी द्वारा शिकायतों पर की गई कार्यवाही राज्य सरकार को प्रेषित होगी।

निष्कर्षतः असंगठित क्षेत्र के लिए भी उपयोगी होने के बावजूद अधिनियम की खामी ये है कि महिला के मर्जी बिना यौन हिंसा को मानवीय/नागरिक दोष माना जाएगा, अपराध नहीं इसमें सुधार अपेक्षित है।

3

13. Discuss the phenomenon of stabilisation of 'Two Party System' in the politics of Rajasthan since 1998.
1998 से राजस्थान की राजनीति में स्थिर हो रही 'द्विदलीय प्रणाली' की परिघटना की विवेचना कीजिए ।

राजस्थान में 1998 से पूर्व के दशक बाद में एकांतर क्रम में दो दलों का शासन रहा है। ये क्रमिक रूप से विकसित घटनाक्रम है।

- 1998 के चुनाव परिणाम से राज्य की राजनीति में मुख्यमंत्री पद पर युवा व्यक्ति का पदार्पण हुआ जो उसके बाद भी बना रहा।

- राज्य में द्विदलीय प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण कारण राज्य की राजनीति का केन्द्रीय राजनीति से प्रभावित होना है। केन्द्र में मिले जनादेश की ही राज्य-चुनावों में पुनरावृत्ति देखी गई है।

- राज्य में दोनों दलों के राज्य-स्तरीय नेतृत्व की नियुक्ति पर केन्द्रीय प्रभाव देखा गया है। मुख्यमंत्री पद हेतु 'चेहरा' भी राज्य में चुनावी परिदृश्य को प्रभावित कर रहा है।

समग्रतः वर्तमान में मतदाताओं के चुनावी व्यवहार में परिवर्तन की प्रवृति भी इसका कारण है। जातिगत मुद्दों से इतर विकासवादी सोच, किसी अन्य दल का प्रादुर्भाव न हो पाना द्विदलीय व्यवस्था को मजबूती दे रहा है। हालांकि अच्छे कार्य निष्पादन पर बदलाव की अपेक्षा दुहराव की प्रवृति भी होनी चाहिए।

14. What are the important recommendations regarding electoral reforms in the 255th Report of the Law Commission of India ?
भारत के विधि आयोग के 255वें प्रतिवेदन में निर्वाचन सुधारों से सम्बन्धित महत्त्वपूर्ण संस्तुतियाँ क्या हैं ?

भारत के विधि आयोग के 255वें प्रतिवेदन में निम्न निर्वाचन संबंधी सिफारिशें की गई है -

- धर्म के आधार पर वोट मांगने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगे,
- चुनाव में अयोग्य ठहराने की शक्ति - निर्वाचन आयोग की सिफारिश पर राज्यपाल व राष्ट्रपति को मिले।
- चंदे में पारदर्शिता - इसके लिए सरकार 20,000 की परिसीमा को 2,000 करने की तैयारी में जिसके लिए चंदे पर विवरण देना जरूरी है।
- चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता व उचित निष्पादन हेतु चुनाव आयोग की शक्तियों में वृद्धि, उच्चस्तरीय समिति की सिफारिश पर चुनाव आयुक्त की राष्ट्रपति द्वारा नियुक्ति हो।
- हालिया विवादों की दृष्टि में ईवीएम द्वारा वोट पर वोटर आइडेंटिफाइड ऑडिट पत्र निकले ताकि वोट के सही पड़ने की पुष्टि हो।
- अपराधिक प्रवृत्ति के लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक।

(Unit-II) (65 Marks)

(यूनिट-II) (65 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग – अ अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. What is the purpose of writ of Habeas Corpus ?
बन्दी प्रत्यक्षीकरण प्रलेख का प्रयोजन क्या है ?

बंदी प्रत्यक्षीकरण प्रलेख का प्रयोजन नोटिस जारी कर अवैध रूप से बंधक बनाए गए व्यक्ति को कोर्ट में पेश कराने व बंधक बनाए जाने का कारण स्पष्ट करवाना है। यह प्रलेख व्यक्ति के संवैधानिक उपचारों के अधिकार के तहत प्रभावी है।

½

2. What do you mean by Generalist Administrator ?
सामान्यज्ञ प्रशासक से आप क्या समझते हैं ?

ऐसे न्यूनतम योग्यताधारी प्रशासक जो प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण कर प्रशिक्षण व अनुभव के आधार पर किसी भी विभाग का प्रशासन संभालने में सक्षम हो। इन्हें विशिष्ट तकनीकी योग्यता की जरूरत नहीं होती। ये संप्रेषण क्षमता व व्यावहारिक अनुभव से कार्य करते हैं।

½

3. What do you understand by politico-administration dichotomy ?
राजनीति-प्रशासन द्विभाजन से आप क्या समझते हैं ?

राजनीति - प्रशासन द्विभाजन का तात्पर्य है कि राजनीति और प्रशासन दोनों भिन्न क्षेत्र है। राजनीति जहाँ राज्य की इच्छाओं को अभिव्यक्त करती है (नीति - निर्माण) वहीं प्रशासन उन इच्छाओं की पूर्ति का दायित्व निभाता है। (क्रियान्वन)

✓ 1½

4. Point out any two differences between authority and power.
प्राधिकार एवम् शक्ति के मध्य कोई दो अन्तर इंगित कीजिये ।

- प्राधिकार का प्रत्यायोजन किया जा सकता है जबकि शक्ति का प्रत्यायोजन संभव नहीं।
- प्राधिकार में वैधता का तत्व होता है, शक्ति में नहीं। प्राधिकार ऊपर से नीचे प्रत्यायोजित होते है जबकि कोई अधीनस्थ अपनी शक्ति द्वारा उच्चस्थ को भी प्रभावित कर सकता है।

✓ 1

5. Write any two functions of State Secretariat.
राज्य सचिवालय के कोई दो कार्य लिखिये ।

- राज्य सचिवालय राज्य में प्रशासनिक तंत्र, कार्मिकों की नियुक्ति संबंधी कार्य देखता है, नीति - निर्माण करता है।

✓ 1

- मंत्रिमंडल के सदस्यों में समन्वय और राज्यपाल को आवश्यक सूचना प्रेषण कार्य।

Part – B
भाग – ब

Marks : 25
अंक : 25

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries 5 marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. Enumerate four basic features of New Public Administration.
नव लोक प्रशासन की चार आधारभूत विशेषताओं का निरूपण कीजिये ।

1) क्रिस्टोफर हुड द्वारा दिए नवीन लोक प्रशासन के अनुसार प्रशासन को EEE पर कार्य करना चाहिए- इफिशिएँसी, इफैक्टिवनैस व इकॉनॉमी।
2) नवलोक प्रशासन अधिक जनोन्मुखी, लचीले स्वरूप वाला है।
3) नवलोक प्रशासन विकेन्द्रीकरण, लोकतंत्रीकरण, पारदर्शिता पर कार्य करता है।
4) नवलोक प्रशासन प्रशासन व राजनीति में विभेद को नहीं स्वीकारता।

7. Explain the discretionary powers of the Governor.
राज्यपाल की स्व-विवेकीय शक्तियाँ समझाइये ।

- राज्यपाल चुनाव के पश्चात् बहुमत प्राप्त दल के नेता को या स्पष्ट बहुमत न होने पर बड़े दल के नेता को सरकार बनाने हेतु आमंत्रित करता है। स्वविवेकीय शक्ति के आधार पर राष्ट्रपति को तदर्थ रिपोर्ट भेज सकता है, मंत्रिमंडलीय फैसले की मुख्यमंत्री से जानकारी मांग सकता है।

8. Write any five functions of Lok-Ayukta.
लोक आयुक्त के कोई पाँच कार्य लिखिये ।

1) लोकसेवकों के विरुद्ध शिकायतों की जाँच करना,
2) जाँच के पश्चात् विभाग को उपयुक्त कार्यवाही की सिफारिश कर सकता है।
3) लोकायुक्त लिपिक से मंत्री स्तर के किसी भी लोकसेवक की जाँच कर सकता है। ✓2
4) जाँच हेतु समन जारी करने पक्ष रखने के लिए तलब करना,
5) संबंधित संस्थान, एजेंसी, विभाग या पुलिस को सहयोग के लिए निर्देशित कर सकता है।

9. Distinguish between Development Administration and Administrative Development.
विकास प्रशासन एवम् प्रशासनिक विकास के मध्य अन्तर कीजिये ।

जनोपयोगी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रशासनिक ढाँचे, प्रक्रिया, कार्यशैली में सुधारात्मक परिवर्तन प्रशासनिक विकास कहलाता है। ✓2

जबकि विकासशील देशों में विकास कार्यों हेतु अलग से प्रशासनिक संगठन निर्मित कर कार्य-निष्पादन विकास प्रशासन है।

ये दोनों एक-दूसरे से अन्तर्सम्बंधित है जिसमें पारदर्शिता, तीव्र-निष्पादन आवश्यक है

10. "Grass-root unit of administration is Patwari". Comment.
"प्रशासन की तृणमूल इकाई पटवारी है" । टिप्पणी कीजिये ।

प्रशासन के कार्यों की मौलिक विधि क्रियान्वयन की शुरुआत पटवारी से होने के कारण इसे प्रशासन की तृणमूल इकाई माना गया है।
क्षेत्र में नामान्तरण, भू-राजस्व संग्रहण, भू-अभिलेख संधारण, गिरदावरी, आपदा की स्थिति में आपदा-आकलन व इसके पश्चात् संस्तुति, निर्वाचन-सूची से लेकर कृषि अधिकारी-करो संबंधी स्थानीय परंपराओं तक पटवारी की महती भूमिका है। इसी कारण "ऊपर करतार-नीचे पटवार" प्रसिद्ध है।

Part – C **Marks : 30**
भाग – स **अंक : 30**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **100** words each. Each question carries **10** marks.
नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **100-100** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **10** अंक निर्धारित हैं ।

11. Critically examine the role of District Collector in District Administration.
जिला प्रशासन में जिला कलेक्टर की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये ।

जिला प्रशासन में जिला कलेक्टर बहुआयामी भूमिकाओं का निर्वहन करता है -
जिलाधिकारी के रूप में - जिलाधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ, स्थानान्तरण क्रियाएँ करता है।

मजिस्ट्रेट - मजिस्ट्रेट के रूप में एसपी के माध्यम से पुलिस प्रशासन पर नियंत्रण, वीजा-पासपोर्ट, धारा 144 जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल है।

कलेक्टर - कलेक्टर के रूप में राजस्व-संग्राहक एवं राजस्व संबंधी भूमिकाओं का निर्वहन करता है।

विकास अधिकारी - जिले के मुख्य विकास अधिकारी की हैसियत से जिले में हो रहे विकास कार्यों का क्रियान्वन सुनिश्चित करता है।

प्रोटोकॉल अधिकारी - मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी के रूप में विशिष्ट राजनीतिक व्यक्तियों का स्वागत करता है।

अन्य भूमिका - जिला निर्वाचन अधिकारी, आपदा नियंत्रक आदि।

✓5

समग्रतः जिला कैलेक्टर को इन भूमिकाओं के कारण ही रेम्जे मैकडोनाल्ड ने जिला कलेक्टर को एक कछुआ बताया है जिसके ऊपर भारत-सरकार का हाथी बैठा है।

12. Point out the role of Chief Secretary in State Administration.
राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव की भूमिका का उल्लेख कीजिये ।

राज्य प्रशासन में मुख्य सचिव की भूमिका निम्न बिंदुओं से स्पष्ट है -

- मुख्य सचिव राज्य का प्रशासनिक प्रमुख होता है, वह प्रशासन के मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है।
- राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में भाग लेता है और बैठक में निर्णयों संबंधी प्रतिवेदन तैयार करवाता है।
- राज्य में मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को महत्वपूर्ण नीतियों - नियुक्तियों के संदर्भ में सलाह देता है।
- सरकार के प्रमुख निर्णयों की सूचना राज्यपाल को।
- महत्वपूर्ण विभागों के विभागाध्यक्ष की हैसियत से भी काम कर सकता है।
- भारत सरकार, अन्य राज्य सरकारों व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ संपर्क-संचार-संबंध कायम करता है।

5

- संवैधानिक तंत्र की विफलता पर नीति-निर्माण में सर्वेसर्वा। निष्कर्षतः इन्ही महती भूमिकाओं के कारण मुख्य सचिव को राज्य प्रशासन का 'नर्व सिस्टम' कहा गया है।

13. Trace the evaluation of Public Administration as an independent academic discipline.
एक स्वतंत्र शैक्षणिक विषय के रूप में लोक प्रशासन के विकास को अनुरेखित कीजिये ।

लोकप्रशासन के विषय के रूप में विकास को निम्नवत् दर्शाया जा सकता है-

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर -

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वप्रथम अमेरिका में इसे स्वतंत्र विषय के रूप में स्वीकृति मिली जहाँ वुडरो-विल्सन ने लोक-प्रशासन से संबंधित पहला निबंध लिखकर इसे स्वीकृति देने का प्रयास किया।

भारत में विकास -

भारत में लोक प्रशासन का विषय के रूप में विकास स्वतंत्रता के पश्चात् संभव हुआ। वर्तमान में इसका व्यावहारिक उपयोग लालबहादुर शास्त्री प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्था, मसूरी में हो रहा है।

राजस्थान में विकास -

राजस्थान में सर्वप्रथम राजस्थान विश्वविद्यालय में इसे स्वतंत्र विषय के रूप में पढ़ाया गया। व्यावहारिक उपयोग के रूप में ओटीएस जयपुर में स्थापित है। निष्कर्षतः लोकप्रशासन की महत्ता के कारण ही आर्दवे टीड ने लोकप्रशासन को नैतिक विषय व लोकप्रशासक को नैतिक अभिकर्ता करार दिया है।

(Unit-III) (Section – A) (20 Marks)

(यूनिट-III) (सेक्शन – A) (20 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग – अ अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. Write the name of 'Cardinal Virtues' of Plato.

प्लेटो के मुख्य सद्‌गुणों के नाम लिखिए ।

- न्याय
- मिताचार (संयमित व्यवहार)
- साहस
- बुद्धिमत्ता।

½

2. What is the meaning of 'Utilitarianism' according to J.S. Mill ?

जे.एस. मिल के अनुसार 'उपयोगितावाद' का क्या अर्थ है ?

जे. एस. मिल के अनुसार उपयोगितावाद का अर्थ "अधिकतम लोगों के अधिकतम सुख" से है। मिल ने उपयोगितावाद के गुणवत्ता आधारित दृष्टिकोण (सुख की गुणवत्ता) को प्रस्तुत किया।

½

3. What is the concept of 'Naturalistic Fallacy' ?

'प्रकृतिवादी तर्कदोष' की अवधारणा क्या है ?

निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में व्यक्ति का ज्ञान प्रकृति, वातावरण के घटकों के संबंध में सीमित होने के कारण उसमें तर्कदोष होता है और ये सीमित तार्किकता पर आधारित होता है।

4. Define 'Swadharma' according to Geeta.

गीता के अनुसार 'स्वधर्म' को परिभाषित कीजिए ।

गीता के अनुसार निष्काम कर्म ही स्वधर्म है जिसमें प्रवृत्ति (कर्म के प्रति) व निवृत्ति (फल के प्रति) का समन्वय है। व्यक्ति को स्थितप्रज्ञ होकर कर्तव्यपालन करना चाहिए। ये प्रशासकों के लिए भी कार्य-निष्पादन में सहायक है।

5. Explain the meaning of 'Categorical Imperatives' according to Kant.

कांट के अनुसार 'निरपेक्ष आदेश' के अर्थ को स्पष्ट कीजिए ।

कांट के निरपेक्ष आदेश से तात्पर्य ऐसे कृत्यों या कर्तव्यों के पालन से है जिसके लिए व्यक्ति को निर्देशित नहीं किया गया और जिनका पालन सार्वभौमिक है। (अन्तःस्थ से प्रेरित)

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित हैं ।

6. Describe the notion of "Niskamakarmayoga" according to Geeta.
गीता के अनुसार 'निष्काम कर्मयोग' की धारणा का वर्णन कीजिए ।

निष्काम कर्मयोग को भावनानुसार कार्य इसलिए किया जाना चाहिए क्योंकि ये करने योग्य है। अर्थात् फल के प्रति निवृत्ति व कर्म के प्रति प्रवृत्ति का भाव रखकर कर्म करना चाहिए। इस प्रक्रिया के दौरान व्यक्ति को स्थितप्रज्ञ (संयमित - संतुलित - सहनशील) रहना चाहिए। इसी अवधारणा के कारण गीता का प्रारंभ अर्जुन द्वारा धनुष रखने से और समाप्ति धनुष उठाने से हुई है।

2½

7. Explain the postulates of morality according to Kant.
कांट के अनुसार नैतिकता की पूर्वमान्यताएँ स्पष्ट कीजिए ।

कांट के अनुसार संकल्प की स्वतंत्रता, आत्मा की अमरता, ईश्वर की अमरता ऐसी मान्यताएँ है जो व्यक्ति को शुभकार्यों हेतु प्रेरित करती है। अर्थात् स्वतंत्र रूप से बिना बाह्य दबाव, विकल्पों की उपस्थिति में, क्षमतानुसार किये गए कार्य को नैतिकता की कसौटी पर उतारा जा सकता है।

2½

(Unit-III) (Section – B) (20 Marks)

(यूनिट-III) (सेक्शन – B) (20 अंक)

Part – A Marks : 10

भाग – अ अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in 15 words each. Each question carries 2 marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित हैं ।

1. What is Social Intelligence ?

सामाजिक बुद्धि क्या है ?

सामाजिक बुद्धि व्यक्ति की वह क्षमता है जिससे वह समाज व परिवेश के स्त्री-पुरुषों के संवेग समझकर उनके अनुसार उचित संप्रेषण द्वारा समायोजन स्थापित करता है।

2. Describe Allport's definition of Personality.

ऑलपोर्ट की व्यक्तित्व परिभाषा का वर्णन कीजिए ।

ऑलपोर्ट ने व्यक्तित्व को जन्मजात व अर्जित गुणों का समूह बताया है - शीलगुण सिद्धांत के अनुसार सामान्य व्यक्ति विशिष्ट रूप से नहीं पहचाने जाते जबकि कुछ व्यक्ति विशिष्ट शीलगुणों के कारण सक्रिय रहते हैं।

3. What do you understand by Retroactive Inhibition ?

पृष्ठोन्मुखी व्यवधान से आप क्या समझते हैं ?

0

पृष्ठोन्मुखी व्यवधान से तात्पर्य किसी विशिष्ट घटना, सूचना, आँकड़ों को स्मृति में जाने पर उस चिरकालिक स्थायित्व में आने वाले व्यवधानों व अवरोधों से है।

4. What is Stress ?

प्रतिबल क्या है ?

प्रतिबल (तनाव) वे उद्दीपन हैं जो विशिष्ट हानिकारक दबावों के कुसमायोजन की अनुक्रिया स्वरूप उत्पन्न होते हैं। ये व्यक्ति के संवेग व संज्ञान पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

1

5. Define Ebbingaus Curve.

एबिंगघोष वक्र को परिभाषित कीजिए ।

एबिंगघोष वक्र व्यक्ति के स्मृति से घटनाओं, संकेतकों के विलोपन से है विस्मरण की प्रक्रिया। प्रारंभ में स्थिर व कम होती है, धीरे-धीरे विस्मरण बढ़ता जाता है।

2

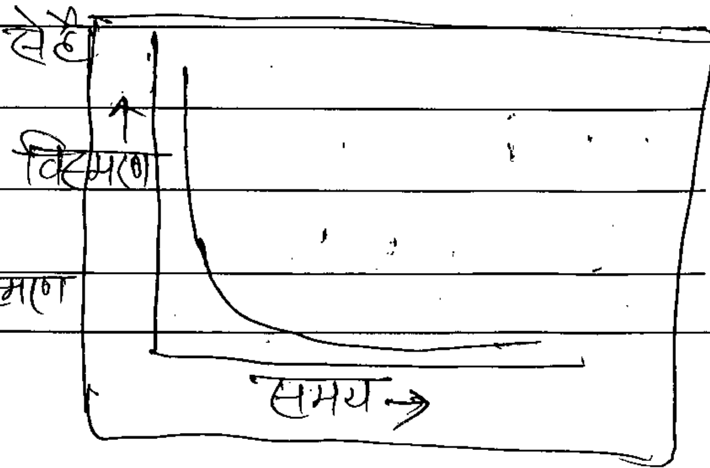

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **50** words each. Each question carries **5** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. How Semi projective techniques are useful to assess personality ?
अर्ध प्रक्षेपण तकनीक, व्यक्तित्व मूल्यांकन में कैसे उपयोगी है ?

अर्धप्रक्षेपण तकनीक द्वारा व्यक्तित्व मापन में व्यक्ति के सामने कुछ घटनाक्रम, विशिष्ट परिघटनाएँ प्रदर्शित की जाती है और उनके अनुसार उसे प्रतिक्रिया देने के लिए कहा जाता है। व्यक्ति घटना के संदर्भ में विशिष्ट संवेग क्रोध, दया, प्रसन्नता या अन्य भाव दर्शाता है। इससे व्यक्तित्व के पहलुओं का पता कर नकारात्मकता को सकारात्मकता में तब्दील कर व्यक्तित्व मूल्यांकन व सुधार में सहायता मिलती है।

7. Analyse different ways of Coping for stress management.
तनाव प्रबंधन के विभिन्न साधकों का विश्लेषण कीजिए ।

प्रत्यक्ष साधक – तनाव प्रबंधन की दशा में व्यक्ति आक्रामक, समझौतावादी या पलायनवादी हो सकता है।
अप्रत्यक्ष – व्यक्ति ध्यान हटाने, परिवेश परिवर्तन, प्रक्षेपण, आत्म-संतुष्टिकरण पर ध्यान देता है।

व्यावहारिक साधक – मद्यपान, धूम्रपान ।
सकारात्मक साधक – तनाव के कारण जानकर सामाजिक संबंधों की सहायता से आत्मनियंत्रण, प्रशिक्षण प्राप्त करता है ।

(Unit-III) (Section – C) **(20 Marks)**
(यूनिट-III) (सेक्शन – C) **(20 अंक)**

Part – A **Marks : 10**
भाग – अ **अंक : 10**

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in **15** words each. Each question carries **2** marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **15-15** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक निर्धारित हैं ।

1. State Salmon's definition of ownership.
सामण्ड द्वारा दी गई स्वामित्व की परिभाषा बताइये ।

0

सामण्ड द्वारा: स्वामित्व व्यक्ति को प्राप्त वे अधिकार है जो उस वस्तु के उपयोग करते पर अन्य व्यक्ति को होने वाली हानि या बाधा को हटाने के बाद प्राप्त होते है।

2. Who are entitled to seek information under the Right to Information Act, 2005 ?
सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत सूचना माँगने के लिये कौन अधिकारी हैं ?

कोई भी भारतीय नागरिक जो निर्धारित शुल्क जमा कराकर नियमों की परिसीमा में सूचना के लिए आवेदन करता है, सूचना मांगने का अधिकारी है ।

3. What is the definition of 'child' under the protection of women from Domestic Violence Act, 2005 ?

घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत बालक की क्या परिभाषा है ?

0

इस अधिनियम के अनुसार बालक से तात्पर्य पीड़ित महिला के नाबालिग पुत्री-पुत्र से है जिसके लिए प्रत्यर्थी से गुजारा माँगा जा सकता है। हालांकि प्रत्यर्थी बालिग या वयस्क सैतान को भी गुजारा दायित्व रहेगा।

4. Define 'Nazul Land' under the Rajasthan Law Revenue Act, 1956.

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत 'नजूल भूमि' को परिभाषित कीजिये ।

✓½

नजूल भूमि नगरपालिका क्षेत्र में स्थित आबादी वाली भूमि है जो अधिनियम में परिभाषित 'मुख्यभूमि' से अलग है।

5. What are the kinds of 'Person' under law ?

विधि के अन्तर्गत व्यक्ति कितने प्रकार के होते हैं ?

विधि के अंतर्गत व्यक्ति 3 प्रकार के हैं -

- निगम
- संस्था।
- निधि या न्यास (ट्रस्ट)।

0

Part – B
भाग – ब

Marks : 10
अंक : 10

Note : Attempt **all** questions. Answer the following questions in 50 words each. Each question carries 5 marks.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । निम्न प्रश्नों का उत्तर **50-50** शब्दों में दें । प्रत्येक प्रश्न के **5** अंक निर्धारित हैं ।

6. What are the 'Primary Rights' of tenants under the Rajasthan Tenancy Act, 1955 ?
राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत अभिधारियों के 'प्राथमिक अधिकार' क्या हैं ?

- अवैध बेदखली से संरक्षण का अधिकार,
- अभिधारी को भूमिक्षेत्र में आवास निर्माण व आवासन का अधिकार है।
- भूमि के प्रमाणीकरण का अधिकार,
- पट्टे का अधिकार,
- राजस्व या लगान से इतर कर प्रतिषेध का अधिकार
- सामग्री के उपयोग का अधिकार,
- न्यायालय प्रक्रिया से कुर्की, विक्रय के विरुद्ध अधिकार
- अवैध अतिक्रमण, कब्जे के विरुद्ध अधिकार
- नालबट में अधिकार, बाड़ निर्मित करने का अधिकार।

7. What do you mean by "Hacking with Computer System" ?
'कम्प्यूटर प्रणाली के साथ हैकिंग' से आपका क्या तात्पर्य है ?

कम्प्यूटर प्रणाली हैकिंग में निम्न गतिविधियाँ है-
- महत्वपूर्ण सूचनाओं को लीक करना,
- सूचनाओं, आँकड़ों में परिवर्तन करना,
- कम्प्यूटर में सेंध लगाकर इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर एवं कुंजियों से छेड़छाड़
- सुरक्षित नेटवर्क का अनधिकृत प्रयोग,
- कम्प्यूटर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक या प्रकाशीय उपकरण में छेड़छाड़ जो उपयोगकर्ता के लिए हानि व जोखिम का कारण बने।

Rough

8%. vote - मिले।
4 state में राज्य स्तरीय
दल की मान्यता